यूनेस्को क्रिएटिव सिटी नेटवर्क में कोझिकोड और ग्वालियर

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)** ने अपने **क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN)** में 55 नए शहरों को जोड़ने की घोषणा की। नए प्रवेशकों में दो भारतीय शहरों-**केरल में कोझिकोड ने 'साहित्य की नगरी' के रूप में और मध्य प्रदेश में ग्वालियर ने 'संगीत की नगरी' के रूप में** अपनी पहचान बनाई।

नोट:

UCCN में अन्य भारतीय शहरों में जयपुर- शिल्प एवं लोक कला (2015), वाराणसी- संगीत की नगरी (2015), चेन्नई- संगीत की नगरी(2017), मुंबई- फिल्म (2019) और हैदराबाद- गैस्ट्रोनॉमी (2019) तथा श्रीनगर- शिल्प एवं लोक कला (2021) शामिल हैं।

कोझिकोड और ग्वालियर का महत्त्व:

- **साहित्य की नगरी के रूप में कोझिकोड:**
    - कोझिकोड यूनेस्को द्वारा **'साहित्य की नगरी'** का प्रतिष्ठित खिताब प्राप्त करने वाला **भारत का पहला शहर है।**
    - शहर में विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों की मेज़बानी का एक लंबा इतिहास है, जैसे कि **केरल साहित्य महोत्सव,** जो एशिया में सबसे बड़े साहित्यिक समारोहों में से एक है।
        - यह स्वीकृति बौद्धिक आदान-प्रदान और साहित्यिक चर्चाओं के केंद्र के रूप में शहर की भूमिका को मज़बूत करती है।
        - कोझिकोड को 500 से अधिक पुस्तकालय होने का गौरव प्राप्त है।
    - इस शहर में कई प्रसिद्ध लेखकों का घर भी है, जिनमें **एस. के. पोटेटे कट्ट (शहर के सबसे प्रसिद्ध लेखक),** थिकिकोडीयन और पी. वाल्सला संजयन शामिल हैं, जिन्होंने मलयालम साहित्य एवं संस्कृति की विविधिता तथा जीवंतता को बनाये रखने में योगदान दिया है।
- **संगीत की नगरी के रूप में ग्वालियर:**
    - वर्ष 2015 में वाराणसी के बाद यूनेस्को द्वारा 'संगीत की नगरी' के रूप में नामित होने वाला ग्वालियर भारत का दूसरा शहर है।
    - इस शहर को व्यापक रूप से भारतीय इतिहास के सबसे महान संगीतकारों और कंपोजरों में से एक **तानसेन** का जन्मस्थान माना जाता है, जो **सम्राट अकबर के दरबार में 'नवरत्नों' (नौ रत्नों) में से एक थे।**
    - यह शहर हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की सबसे पुरानी और सबसे प्रभावशाली शैली **ग्वालियर घराने** का उद्गम स्थल भी है।
    - यह शहर भारत के सबसे बड़े वार्षिक संगीत समारोहों में से एक, **तानसेन संगीत समारोह** का आयोजन करता है, जो देश और विदेश से हजारों संगीत प्रेमियों तथा कलाकारों को आकर्षित करता है।

यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN):

- इसे **वर्ष 2004 में बनाया गया था।**
- इसका **उद्देश्य** "उन शहरों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है जो रचनात्मकता को अपने शहरी विकास में एक रणनीतिक कारक के रूप में पहचानते हैं"।
    - सतत् विकास लक्ष्य 11 का उद्देश्य टिकाऊ शहरों और समुदायों के उद्धार के लिये है।
- **नेटवर्क सात रचनात्मक क्षेत्रों को कवर करता है:** शिल्प और लोक कला, मीडिया कला, फिल्म, डिज़ाइन, गैस्ट्रोनॉमी, साहित्य एवं संगीत।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kozhikode-and-gwalior-in-unesco-creative-cities-network